

भारतीय कला, संस्कृति एवं धार्मिक आंदोलन

INDIAN- ART CULTURE AND RELIGIOUS MOVEMENT



**NEW INDIA
EDUCATION (NIEd)**

— संकल्प आपका, साथ हमारा —

RAS MAINS EXAM

Paper 1 - Unit 1 - PART B

भारतीय कला, संस्कृति INDIAN ART CULTURE

Indian heritage: Fine Art, Performing Art,
Architecture & Literature from
Indus Civilization to British Era.



Religious Movements and
philosophy in Ancient and
Medieval India.



By
OMKAR SIR



सरल भाषा में
सम्पूर्ण कवरेज



परीक्षा की दृष्टि से
महत्वपूर्ण बिंदु



चार्ट, डायग्राम और
मैप्स सहित



प्राचीन से ब्रिटिश काल
तक की सम्पूर्ण जानकारी



RAS Mains के लिए
विशेष रूप से उपयोगी



घरों में रहते हैं, और मिट्टी की मुहरों पर व्यापार के चिह्न उकेरते हैं। यही दो अध्याय — शैलचित्रों की दुनिया और सिंधु घाटी सभ्यता — भारतीय कला के सबसे प्राचीन परंतु सबसे ठोस प्रमाण हैं, और यहीं से हमारी यात्रा शुरू होती है। नीचे हर विषय को पहले आसान भाषा में समझाया गया है, फिर तालिका (table) में व्यवस्थित किया गया है ताकि Revision आसान हो।

1. प्रागैतिहासिक कला का काल-विभाजन (Periodization)

प्रागैतिहासिक काल वह समय है जब लिपि/लेखन का अस्तित्व नहीं था, इसलिए इसे हम केवल पुरातात्विक साक्ष्यों (पत्थर के औज़ार, हड्डियाँ, गुफा-चित्र) से समझते हैं। भारतीय शैलचित्रों को मुख्यतः तीन कालों में बाँटा जाता है — नीचे तालिका में तीनों काल की तुलना देखें:

काल	समयावधि (लगभग)	प्रमुख विशेषता
पुरापाषाण काल (Paleolithic)	5,00,000 – 10,000 ई.पू.	शिकारी-संग्राहक जीवन; बड़े आकार के पशु, रेखीय (linear) शैली; हरा व गहरा लाल रंग प्रधान; मानव आकृतियाँ लगभग नदारद
मध्यपाषाण काल (Mesolithic)	10,000 – 4,000 ई.पू.	छोटी व अलंकृत (stylised) आकृतियाँ; शिकार, सामूहिक नृत्य व संगीत के दृश्य; धनुष-बाण जैसे हथियारों का पहला चित्रण
नवपाषाण-ताम्रपाषाण काल (Neolithic-Chalcolithic)	4,000 – 1,000 ई.पू.	कृषि व पशुपालन की शुरुआत; बैलगाड़ी, पालतू पशु, ज्यामितीय (geometric) डिज़ाइन; इसी काल के अंत में नगरीय सभ्यताओं (जैसे सिंधु घाटी) का उदय

2. भीमबेटका शैलचित्र (Bhimbetka Rock Paintings)

भीमबेटका मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में विंध्य पर्वत श्रृंखला की तलहटी में स्थित है। यहाँ 750 से अधिक शैलाश्रय (rock shelters) हैं, जिनमें से लगभग 500 में चित्रकारी मिलती है। इसकी खोज पुरातत्वविद् वी.एस. वाकणकर (V.S. Wakankar) ने 1957 में की थी, और वर्ष 2003 में इसे UNESCO विश्व धरोहर स्थल (World Heritage Site) घोषित किया गया। भीमबेटका के चित्रों को कुल 9 चरणों (Phases) में बाँटा गया है:

चरण (Phase)	काल	विशेषता
चरण I – V	मध्यपाषाण काल (Mesolithic)	पशु-शिकार दृश्य, सामूहिक नृत्य-संगीत, धनुष-बाण का चित्रण
चरण VI	ताम्रपाषाण काल (Chalcolithic)	कृषि-जीवन व पालतू पशुओं के दृश्य, ग्रामीण संस्कृति से संपर्क के संकेत
चरण VII – IX	ऐतिहासिक काल (Historic Period)	घुड़सवार व हाथी-सवार योद्धा, युद्ध के दृश्य, धार्मिक प्रतीक

इन चित्रों में प्रयोग हुए रंग प्राकृतिक स्रोतों से बनाए जाते थे, और इनकी विषय-वस्तु (themes) मानव जीवन के हर पहलू को दर्शाती है — दोनों को नीचे तालिकाओं में देखें:

रंग	स्रोत / निर्माण विधि
लाल रंग	गेरू / हेमेटाइट (hematite) नामक खनिज से
सफेद रंग	चूना-पत्थर (limestone) से
हरा व पीला रंग	वनस्पति के रस व प्राकृतिक ऑक्साइड से
रंग को टिकाऊ बनाने की विधि	पशु की चर्बी, पेड़ के गोंद या पानी में घोलकर लगाया जाता था — इसीलिए ये हज़ारों साल बाद भी सुरक्षित हैं
विषय-वस्तु की श्रेणी	उदाहरण / विवरण

विषय-सूची (Index)

1.	कला (Art) और संस्कृति (Culture) क्या है? — परिभाषा
2.	भारतीय विरासत के चार स्तंभ (Fine Art, Performing Art, Architecture, Literature)
3.	धार्मिक आंदोलन एवं दर्शन का इस भाग में स्थान
4.	RAS Mains 2026 New Pattern — केवल 5-अंक व 10-अंक प्रश्न
5.	हमारा 10-Chapter सिलेबस रोडमैप
6.	यह Notes कैसे पढ़ें? (Box Legend Guide)
7.	प्रमुख स्रोत संस्थान (ASI, UNESCO, Sangeet Natak Akademi आदि)
8.	उत्तर लेखन की मूल रणनीति (5-अंक व 10-अंक)
9.	मुख्य तथ्य एवं कालक्रम अवलोकन (Overview Timeline)

सोचो लगभग 30,000 साल पहले मध्य भारत की भीमबेटका (Bhimbetka) की गुफाओं में एक आदिमानव मशाल की रोशनी में चट्टान पर लाल गेरू से एक हिरण का चित्र बना रहा है। हज़ारों साल बाद वही परंपरा सिंधु घाटी की मुहरों में, मौर्यकालीन अशोक स्तंभों में, अजंता की गुफाओं के भित्ति चित्रों में, खजुराहो के मंदिरों की नक्काशी में, ताजमहल के संगमरमर में और कबीर-मीरा के दोहों में आगे बढ़ती चली गई। यही निरंतर बहती हुई धारा 'भारतीय कला एवं संस्कृति' कहलाती है — और यही RAS Mains Paper-1, Part-B का विषय है। इस भूमिका (Chapter 00) में हम इस पूरे विषय की बुनियाद समझेंगे और आगे आने वाले 10 अध्यायों का रोडमैप देखेंगे, ताकि हर अगला अध्याय पढ़ते समय आपको पता हो कि वह पूरी तस्वीर में कहाँ फिट होता है।

1. कला और संस्कृति क्या है? (What is Art & Culture?)

A. कला (Art) की परिभाषा

कला मनुष्य की उस रचनात्मक अभिव्यक्ति (creative expression) को कहते हैं, जिसके माध्यम से वह अपने विचार, भावना, विश्वास और अनुभव को किसी दृश्य, ध्वनि या शारीरिक माध्यम (रंग, पत्थर, धातु, नृत्य, संगीत, शब्द) से व्यक्त करता है।

- कला केवल 'सुंदरता' के लिए नहीं, बल्कि धर्म, राजनीति, सामाजिक जीवन और दर्शन को अभिव्यक्त करने का माध्यम भी रही है।
- भारत में कला हमेशा जीवन-दर्शन (आध्यात्म, मोक्ष, धर्म) से जुड़ी रही — पश्चिम की तरह केवल 'कला के लिए कला' (Art for Art's sake) नहीं।

B. संस्कृति (Culture) की परिभाषा

संस्कृति किसी समाज के जीवन जीने के समग्र तरीके (way of life) को कहते हैं — इसमें कला, भाषा, धर्म, रीति-रिवाज़, खान-पान, पहनावा, मूल्य एवं परंपराएँ सम्मिलित हैं। कला संस्कृति की सबसे मूर्त (tangible) और स्थायी अभिव्यक्ति है — इसीलिए किसी सभ्यता को समझने के लिए हम उसकी कला का अध्ययन करते हैं।

💡 उदाहरण (Example)

सोचो एक मंदिर सिर्फ 'पत्थर की इमारत' नहीं है — वह उस समय के समाज की सोच, तकनीक, धर्म और राजा की शक्ति — सबका आईना है।

जैसे आज हम किसी शहर की 'संस्कृति' उसके त्योहारों, खाने और भाषा से पहचानते हैं — वैसे ही इतिहासकार किसी प्राचीन सभ्यता को उसकी कला (मूर्ति, भवन, चित्र) से पहचानते हैं।

2. भारतीय विरासत के चार स्तंभ (Four Pillars of Indian Heritage)

RAS Mains Syllabus में 'Indian Heritage' को चार मुख्य भागों में बांटा गया है — सिंधु सभ्यता से लेकर ब्रिटिश काल तक। यही चार स्तंभ हमारे Chapter 01 से Chapter 08 तक फैले हुए हैं।

A. ललित कला (Fine Art)

- इसमें मूर्तिकला (Sculpture), स्थापत्य-अलंकरण और चित्रकला (Painting) आती है — जैसे मौर्य स्तंभ, गांधार-मथुरा मूर्तियाँ, अजंता की भित्ति चित्रकारी, मुगल व राजपूत लघु चित्रकला।

B. प्रदर्शनकारी कला (Performing Art)

- इसमें शास्त्रीय नृत्य (भरतनाट्यम, कथक आदि), शास्त्रीय संगीत (हिन्दुस्तानी-कर्नाटक) और रंगमंच/नाट्यशास्त्र आते हैं।

C. वास्तुकला (Architecture)

- इसमें स्तूप, मंदिर (नागर-द्राविड़-वेसर शैली), गुफा स्थापत्य, इंडो-इस्लामिक व मुगल भवन-निर्माण आते हैं।

D. साहित्य (Literature)

- इसमें वैदिक साहित्य, बौद्ध-जैन साहित्य, संगम साहित्य, भक्ति-कालीन साहित्य और मध्यकालीन फारसी-उर्दू साहित्य आते हैं।

🏛️ ललित कला (Fine Art) बनाम शिल्प/अनुप्रयुक्त कला (Craft/Applied Art)

ललित कला (Fine Art)	शिल्प (Craft/Applied Art)
- मुख्य उद्देश्य — सौंदर्य एवं भाव अभिव्यक्ति - उदाहरण — चित्रकला, मूर्तिकला - व्यक्तिगत रचनात्मकता प्रधान - परीक्षा में — Ch01, Ch02, Ch06 में विस्तार से	- मुख्य उद्देश्य — उपयोगिता + सौंदर्य - उदाहरण — मृदभांड, धातुकला, वस्त्र-कला - परंपरागत कारीगरी (hereditary skill) प्रधान - परीक्षा में — Ch08 (शिल्प एवं गुफा स्थापत्य) में विस्तार से

3. धार्मिक आंदोलन एवं दर्शन का महत्व

Syllabus का दूसरा बड़ा भाग है — प्राचीन व मध्यकालीन भारत में धार्मिक आंदोलन एवं दर्शन (Chapter 09 व Chapter 10)। भारतीय कला को समझने के लिए धर्म व दर्शन को समझना अनिवार्य है, क्योंकि लगभग हर मंदिर, स्तूप, गुफा और मूर्ति किसी-न-किसी धार्मिक/दार्शनिक विचार से प्रेरित है।

- प्राचीन काल — वैदिक धर्म, उपनिषद दर्शन, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, षड्दर्शन (Six Schools of Philosophy)।
- मध्यकाल — भक्ति आंदोलन (दक्षिण व उत्तर भारत), सूफी आंदोलन, अद्वैत वेदांत एवं विशिष्टाद्वैत जैसी दार्शनिक धाराएँ।
- यह भाग केवल 'धर्म' नहीं, बल्कि सामाजिक-सुधार आंदोलन के रूप में भी परीक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

4. RAS Mains में यह भाग क्यों महत्वपूर्ण है?

Paper-1 के Part-B के रूप में यह विषय प्रत्येक वर्ष कई प्रश्नों का स्रोत रहा है — विशेषकर वास्तुकला की शैलियाँ, धार्मिक आंदोलन और राजस्थान-संबंधी कला-परंपराएँ पूछी जाती रही हैं।

⚠ महत्वपूर्ण (Important Note)

RPSC RAS Mains 2026 नया पैटर्न — 2-अंक के प्रश्न पूरी तरह समाप्त कर दिए गए हैं।

अब केवल 5-अंक (लघु उत्तरीय, ~70 शब्द) और 10-अंक (दीर्घ उत्तरीय, ~120 शब्द) प्रश्न ही पूछे जाएंगे।

इसलिए अब हर टॉपिक को 'एक-पंक्ति तथ्य' के बजाय 'संपूर्ण उत्तर' के रूप में तैयार करना ज़रूरी है — यही इन Notes की बनावट का आधार है।

5. हमारा 10-Chapter सिलेबस रोडमैप

नीचे दी गई तालिका पूरे Part-B के 10 अध्यायों का संक्षिप्त नक्शा है — किस अध्याय में क्या पढ़ेंगे, यह पहले से स्पष्ट हो जाए तो हर अध्याय पढ़ना आसान हो जाता है।

Ch.	अध्याय का नाम	मुख्य विषय
01	प्रागैतिहासिक एवं सिंधु घाटी कला	शैलचित्र (भीमबेटका), मुहरें, मृदभांड, नगर-नियोजन
02	प्राचीन भारत की कला	मौर्य कला, गांधार-मथुरा-अमरावती शैली, गुप्त स्वर्णयुग
03	मध्यकालीन मंदिर वास्तुकला	नागर-द्राविड़-वेसर शैली, चोल, खजुराहो, ओडिशा शैली
04	सल्तनत एवं मुगल वास्तुकला	इंडो-इस्लामिक शैली, ताजमहल, हम्पी, फतेहपुर सीकरी
05	प्रदर्शनकारी कला	8 शास्त्रीय नृत्य, हिन्दुस्तानी-कर्नाटक संगीत, नाट्यशास्त्र
06	चित्रकला परंपराएँ	अजंता भित्ति चित्र, मुगल-पहाड़ी-दक्कनी लघु चित्रकला
07	साहित्य	संस्कृत, बौद्ध-जैन, संगम, भक्ति व फारसी-उर्दू साहित्य
08	शिल्प एवं गुफा स्थापत्य कला	हस्तशिल्प, धातुकला, एलिफेंटा जैसी गुफाएँ
09	प्राचीन धार्मिक आंदोलन एवं दर्शन	बौद्ध, जैन धर्म, षड्दर्शन, उपनिषद दर्शन
10	मध्यकालीन धार्मिक आंदोलन एवं दर्शन	भक्ति व सूफी आंदोलन, अद्वैत वेदांत, विशिष्टाद्वैत

6. प्रमुख स्रोत संस्थान (Key Source Institutions)

इन Notes में जो 'करेंट अफेयर्स' (Recent UNESCO Tags, Awards, Discoveries) जोड़े गए हैं, वे निम्न आधिकारिक संस्थानों की जानकारी पर आधारित हैं — परीक्षा में इनसे जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं:

संस्थान	कार्य	परीक्षा उपयोगिता
ASI (Archaeological Survey of India)	पुरातात्विक स्थलों की खोज, संरक्षण एवं उत्खनन	नई खोजें, संरक्षित स्मारक
UNESCO World Heritage List	वैश्विक धरोहर स्थलों की मान्यता	भारत के 44 World Heritage Sites (2026 तक, 36 सांस्कृतिक + 7 प्राकृतिक + 1 मिश्रित)
Sangeet Natak Akademi	संगीत, नृत्य व नाट्य कला को बढ़ावा एवं पुरस्कार	प्रदर्शनकारी कला पुरस्कार व मान्यता
Lalit Kala Akademi	चित्रकला व मूर्तिकला को बढ़ावा एवं पुरस्कार	ललित कला संबंधी पुरस्कार व प्रदर्शनी
Sahitya Akademi	भारतीय भाषाओं के साहित्य को बढ़ावा एवं पुरस्कार	साहित्य अध्याय (Ch07) से जुड़े पुरस्कार

"सत्यं शिवं सुन्दरम्"

— भारतीय सौंदर्यशास्त्र का मूल सिद्धांत — जहाँ 'सत्य', 'शिव' (कल्याण) और 'सुंदरता' एक साथ मिलकर सच्ची कला बनाते हैं

👉 उत्तर लेखन कोण (Mains Answer Angle)

🕒 5-अंक कोण (~70 -80 शब्द):

- प्रश्न में पूछे गए शब्द की स्पष्ट परिभाषा एक पंक्ति में दें।
- 2-3 प्रमुख विशेषताएँ/बिंदु क्रमवार लिखें।
- अंत में एक ठोस ऐतिहासिक उदाहरण (नाम, स्थान, काल सहित) दें।

🕒 10-अंक कोण (~120-130 शब्द):

- परिचय — विषय की पृष्ठभूमि व ऐतिहासिक संदर्भ में रखें।
- मुख्य भाग — बहुआयामी विश्लेषण (कला/स्थापत्य/सामाजिक/धार्मिक पक्ष) करें, उप-शीर्षकों में बाँटें।
- उदाहरण व तथ्य — स्थल, राजा, काल, UNESCO टैग जैसे ठोस संदर्भ जोड़ें।
- निष्कर्ष — विषय के ऐतिहासिक महत्व या वर्तमान प्रासंगिकता के साथ समाप्त करें।

मुख्य तथ्य (Key Facts)

- ✓ कला = रचनात्मक अभिव्यक्ति (Expression); संस्कृति = समग्र जीवन-शैली (Way of Life)।
- ✓ भारतीय विरासत के 4 स्तंभ — ललित कला, प्रदर्शनकारी कला, वास्तुकला, साहित्य।
- ✓ यह Syllabus सिंधु सभ्यता से लेकर ब्रिटिश काल तक फैला है।
- ✓ RAS Mains 2026 से केवल 5-अंक व 10-अंक प्रश्न — 2-अंक प्रश्न समाप्त।
- ✓ 5-अंक उत्तर ≈ 70 शब्द; 10-अंक उत्तर ≈ 120 शब्द।
- ✓ Chapter 01-08 — कला व वास्तुकला (Fine Art, Performing Art, Architecture, Literature, Craft)।
- ✓ Chapter 09-10 — धार्मिक आंदोलन एवं दर्शन (प्राचीन व मध्यकालीन)।
- ✓ नागर, द्राविड़ व वेसर — मंदिर वास्तुकला की तीन प्रमुख शैलियाँ (विस्तार Ch03 में)।
- ✓ भारत में 2026 तक कुल 44 UNESCO World Heritage Sites हैं (36 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक, 1 मिश्रित)।
- ✓ जुलाई 2025 में 'Maratha Military Landscapes of India' भारत की 44वीं UNESCO धरोहर बनी।
- ✓ ASI पुरातात्विक संरक्षण देखती है; Sangeet Natak Akademi प्रदर्शनकारी कला को; Lalit Kala Akademi चित्रकला-मूर्तिकला को बढ़ावा देती है।
- ✓ षड्दर्शन (Six Schools of Philosophy) — सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदांत — Ch09 में विस्तार से।
- ✓ भक्ति आंदोलन (दक्षिण — आलवार-नयनमार; उत्तर — कबीर, मीरा, नानक) व सूफी आंदोलन (चिश्ती, सुहरावर्दी) — Ch10 में।
- ✓ राजस्थान कनेक्शन — मीराबाई (मेवाड़), दादूदयाल (जयपुर), ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (अजमेर) जैसे उदाहरण हर संभव अध्याय में जोड़े जाएंगे।
- ✓ स्रोत प्राथमिकता — नितिन सिंघानिया (RAS-विशिष्ट) व NCERT आधार; फर्क होने पर नितिन सिंघानिया प्राथमिक।
- ✓ हर अध्याय की संरचना निश्चित है — Index → Concept → Tables → Example → Mains Angle → Key Facts → PYQ → Timeline।
- ✓ हिन्दी इन Notes की प्राथमिक भाषा है; English शब्द सिर्फ आवश्यकता पर कोष्ठक में दिए जाएंगे।
- ✓ यह Chapter 00 पूरे Part-B का 'नक्शा' है — इसे दोबारा पढ़ने से हर अगला अध्याय जल्दी समझ आएगा।

नीचे दी गई तालिका भारतीय कला-संस्कृति के व्यापक कालक्रम (broad periodization) को दर्शाती है — यह बताती है कि हर काल किस Chapter में विस्तार से पढ़ा जाएगा। इसे इस भूमिका अध्याय का 'मास्टर-नक्शा' समझें।

काल (Period)	मुख्य विशेषता	संबंधित Chapter
प्रागैतिहासिक काल	शैलचित्र — भीमबेटका जैसी गुफाएँ	Ch01
सिंधु घाटी सभ्यता (c. 2600-1900 ई.पू.)	मुहरें, मृदभांड, नगर-नियोजन	Ch01
वैदिक काल	वैदिक धर्म व यज्ञ-परंपरा	Ch09
मौर्य काल (c. 322-185 ई.पू.)	अशोक स्तंभ, स्तूप (सांची)	Ch02
शुंग-सातवाहन व गांधार-मथुरा काल	मूर्तिकला शैलियों का विकास	Ch02

काल (Period)	मुख्य विशेषता	संबंधित Chapter
गुप्त काल (c. 320-550 ई.)	कला का 'स्वर्णयुग', नागर शैली का प्रारंभ	Ch02
मध्यकालीन मंदिर-निर्माण काल	नागर-द्राविड़-वेसर मंदिर, चोल-खजुराहो	Ch03
सल्तनत काल (1206-1526 ई.)	इंडो-इस्लामिक स्थापत्य का प्रारंभ	Ch04
मुगल काल (1526-1857 ई.)	ताजमहल, फतेहपुर सीकरी	Ch04
भक्ति-सूफी आंदोलन काल (c. 8वीं-17वीं सदी)	कबीर, मीरा, चिश्ती परंपरा	Ch10
ब्रिटिश काल (1857-1947 ई.)	कंपनी शैली, बंगाल स्कूल चित्रकला	Ch06

RAS फाउंडेशन कोर्स 2026

RAS FOUNDATION COURSE 2026

PRE + MAINS + INTERVIEW

वीडियो लेक्चर + MCQ + उत्तर लेखन

GUIDANCE BY OMKAR SIR

OMKAR SIR
FOUNDER OF NEW INDIA EDUCATION

क्या आप **RAS 2026**

के लिए सच में तैयार हैं?

RAS PRE MAINS और INTERVIEW
की तैयारी एक जगह पर

✓ **RAS FOUNDATION
COURSE 2026**

सिर्फ **₹4,999** में सब कुछ!

80%
off

Original price
~~₹25,000~~



824
Video Lectures



Handwritten
Notes



271
Practice Tests



Mains
Answer Writing

Omkar Sir

RAS EXPERT

Coupon: 50% SPECIAL DISCOUNT OFFER



ऑफर सीमित
समय के लिए!



अभी JOIN करें

www.omkarsir.in 🔍

विषय-सूची (Index)

1.	प्रागैतिहासिक कला का काल-विभाजन (Periodization)
2.	भीमबेटका शैलचित्र (Bhimbetka Rock Paintings) — विस्तृत अध्ययन
3.	अन्य प्रमुख शैलचित्र स्थल (भारत व राजस्थान)
4.	सिंधु घाटी सभ्यता — परिचय एवं नगर-नियोजन
5.	सिंधु सभ्यता की मुहरें (Seals)
6.	सिंधु सभ्यता की मूर्तिकला (Sculpture)
7.	मृदभांड एवं मृणमूर्तियाँ (Pottery & Terracotta)
8.	आभूषण, मनके एवं धातुकला
9.	वस्त्र एवं सामाजिक जीवन
10.	धार्मिक जीवन (Religious Life)
11.	अंत्येष्टि प्रथाएँ (Burial Practices)
12.	व्यापार एवं अर्थव्यवस्था (Trade & Economy)
13.	लिपि एवं माप-तौल प्रणाली
14.	सभ्यता के पतन के सिद्धांत
15.	राजस्थान कनेक्शन — कालीबंगा एवं गणेश्वर संस्कृति
16.	हालिया शोध एवं करेंट अफेयर्स
17.	प्रमुख खोजकर्ता, PYQs एवं कालक्रम

सोचो आज से करीब 30,000 साल पहले, मध्य भारत के घने जंगलों में एक आदिमानव मशाल की टिमटिमाती रोशनी में एक चट्टान पर लाल गेरू से बाइसन (जंगली भैंसा) का चित्र बना रहा है। न कोई लिपि है, न कोई किताब — बस चट्टान ही उसका कैनवास है और प्रकृति ही उसका विषय। हजारों साल बाद, सिंधु नदी के किनारे एक और सभ्यता जन्म लेती है, जहाँ लोग सुनियोजित सड़कों पर चलते हैं, पक्की ईंटों के